न्यूज़ बुलेटिन :

सन्मार्ग

वर्ष–4 अंक–02
कालीचरण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ की प्रस्तुति 2026 सितंबर

कालीचरण पी॰जी॰ कॉलेज

हरदोई रोड, चौक, लखनऊ–226003
(लखनऊ विश्वविद्यालय)

सत्र का उद्देश्य

- ❖ पढ़ने और सीखने की प्रवृत्ति को रूचिकर बनाना
- ❖ शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना
- ❖ देश और मानवता के हित में अपने को योजित करना
- ❖ नैतिक और धार्मिक मूल्यों का अवगाहन

प्रबन्धक
इं0 वी0 के0 मिश्र
प्राचार्य
प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय

सम्पादकीय

सम्पादक
राजीव यादव

उप–सम्पादक
राज कुमार सिंह

सहयोग
ज़ेबा

Events at College

कालीचरण पी.जी. कॉलेज, लखनऊ में वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

2 सितम्बर 2026 नेचुरल टच वेलफेयर सोसायटी एवं कालीचरण पी.जी. कॉलेज, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय था 'क्या AI युवा पीढ़ी की सोच पर प्रहार है'। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में कॉलेज के प्रो. डी.सी.डी.आर. पांडेय, डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा एवं डॉ. एस.पी. सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर) शामिल रहे।

इस कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय ने कहा कि आज के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) तेजी से हमारे जीवन का हिस्सा बन रहा है। शिक्षा, रोजगार, संचार और तकनीक के क्षेत्र में इसके व्यापक प्रभाव दिखाई दें रहे हैं। ऐसे में यह विचार करना आवश्यक है कि AI युवाओं की रचनात्मकता और सोचने–समझने की क्षमता को बढ़ावा दे रहा है या उन्हें तकनीक पर अधिक निर्भर बना रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, अभिव्यक्ति और विषय की गहराई से समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने विषय के पक्ष और विपक्ष में अपने तर्कपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों न AI के बढ़ते प्रभाव, शिक्षा एवं रोजगार न में इसकी उपयोगिता, रचनात्मकता, मानवीय सोच तथा तकनीक पर बढ़ती निर्भरता जैसे विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे

कार्यक्रम में नेचुरल टच वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष स्मृति उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन आयुषी ने किया, प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के प्रदर्शन के आधार पर आशु ने प्रथम, धानी नाग ने द्वितीय तथा रमा तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नेचुरल टच वेलफेयर सोसायटी का उद्देश्य महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं में सामान्य ज्ञान, भाषा, तार्किक क्षमता एवं संस्कृति के प्रति रुचि को बढ़ावा देना है। इसी उद्देश्य की दिशा में सोसायटी द्वारा अंतर–महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन एक सतत प्रयास है।

कालीचरण पीजी कॉलेज के श्याम सुंदर दास सभागार में शिक्षक दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

5 सितम्बर 2026 को कालीचरण पीजी कॉलेज के श्याम सुंदर दास सभागार में शिक्षक दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज के प्रबंधक इंजीनियर वी.के. मिश्र ने महाविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सम्मान समारोह के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। तथा तथा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय सभी से डॉ. सर्वपल्ली_राधाकृष्णन के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। परिचर्चा की शुरुआत करते हुए डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों के समक्ष स्वयं को निरंतर अपडेट करने की बड़ी चुनौती है। इस अवसर पर कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर प्रो. डी.सी.डी.आर. पांडेय, प्रो. मीना कुमारी, प्रो. वी. एन. मिश्रा, प्रो. अर्चना मिश्रा एवं प्रो. मनोज पांडेय ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुण कुमार यादव ने किया। परिचर्चा के दौरान सभी शिक्षकों ने ज्ञान और आधुनिक तकनीक के बीच बेहतर तालमेल बिठाने पर जोर दिया।

कालीचरण पी0जी0 कॉलेज में प्रबोधन कार्यक्रम–2026 आयोजित किया गया।

10 सितम्बर को कालीचरण पी०जी० कॉलेज, लखनऊ में बृहस्पतिवार को ओरिएंटेशन एंड इनवेस्टीचर सेरेमनी प्रबोधन–2026 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्रबंध इं. वी. के. मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति रही। नव प्रवेशित विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए उन्होंने कहा कि यह एक नयी शुरूआत है, जिसमें विद्यार्थी भरपूर ऊर्जा से भरे हुए वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प से युक्त हैं। शारीरिक शिक्षा विभाग के असि. प्रोफेसर डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने नई शिक्षा नीति–2020, क्रेडिट सिस्टम से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं से सभी को परिचित कराया। महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर डॉ. डी.सी. डी.आर. पाण्डेय ने महाविद्यालय में अनुशासन तथा उससे आगे बढ़ने के सन्दर्भ में अमेरिका के प्रसिद्ध तैराक माइकल फेल्प्स का उदाहरण दिया, जिन्होने सात वर्षों के कठोर परिश्रम से 23 स्वर्ण पदक जीते। समाजशास्त्र विभाग की प्रो मीना कुमारी ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए कठिन परिश्रम द्वारा अपना लक्ष्य प्राप्त करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग की प्राध्यापिका डॉ. मनस्वी शुक्ला ने किया। इस अवसर पर 29 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया, जिसमें पदों के प्रतिनिधि के रूप में कुछ प्रमुख नाम है– सेक्रेटरी– प्रियांशी गौतम बी.ए. सेमेस्टर 5, डिस्पिलिन इंचार्ज आयुषी श्रीवास्वत – बी.ए. सेमे. एक, स्पोर्टस सेक्रेटरी– अली हाशमी–बी.ए. सेमे तीन। कल्चरल सेक्रेटरी– रमा देवी– बी.ए. सेमे पांच, यूमेन सेल सेक्रेटरी– आरूषी गुप्ता बी.एस.सी. सेमे. तीन, प्रीफेट सेक्रेटरी–अध्ययन कश्यप–बी.कॉम सेमे. एक। इस कार्यक्रम में महाविधालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. चन्दमोहन उपाध्याय ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विद्यार्थियों से महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का लाभ लेने का आह्वाहन किया।

कालीचरण महाविद्यालय में हिन्दी दिवस मनाया गया–

14 सितम्बर को कालीचरण पी0जी0 कॉलेज में हिन्दी दिवस पर सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रबंधक इं. वी. के. मिश्र ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि हिन्दी विश्व की नंबर–एक भाषा बने। उन्होंने कहा कि आज विश्व में सर्वत्र हिन्दी भाषा को सामान्य बोल–चाल में उपस्थिति, ज्ञान–विज्ञान, व्यापार चिकित्सा व लोक–जीवन के परस्पर सम्वाद मे हिन्दी का निरंतर प्रयुक्त होते जाना हिन्दी को विश्व को नंबर एक भाषा बनाने का प्रबलतम् आधार है।

कार्यक्रम को मुख्य अतिथि प्रो. मंजुला उपाध्याय प्राचार्या, नवयुग कन्या पीजी कॉलेज ने कहा कि हिन्दी को सर्व–समाज ग्राहाता वैश्विक व्यापार में हिन्दी का बढ़ता प्रभाव निश्चित रूप से हिन्दी की वैश्विक स्थिति को सुदृढ़ बनाती है। मुख्य वक्ता जिला सेवा योजन अधिकारी प्रज्ञा त्रिपाठी ने हिन्दी की लोकप्रियता को बढ़ाने में प्रेमचन्द द्वारा हिन्दी को सरल–सहज और सर्वग्राहयता प्रदान करने वाले प्रयासों की सराहना की और आज के दौर में इसे प्रांसगिक बताया। मंचस्थ अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्राचार्य प्रो. चन्द्रमोहन उपाध्याय ने संगोष्ठी के विषय हिन्दी के वर्तमान स्वरूप में प्रेमचन्द के स्त्री विमर्श पर प्रकाश डालते हुए प्रेमचन्द के साहित्य में बेमेल विवाह, विधवा विवाह तथा लड़कियों के बेचने की कुप्रथा को रेखांकित किया। संगोष्ठी का मंच संचालन हिन्दी विभाग के प्रभारी प्रो. मनोज कुमार पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर कालीचरण पीजी कॉलेज में विद्यार्थियों ने लिया सेवा का संकल्प

17 सितम्बर को कालीचरण पीजी कॉलेज, लखनऊ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने 200 मिट्टी के दीपकों से सेवा व्रत को प्रदीप्त कर देश और मानवता की सेवा के लिए संकल्प लिया। कार्यक्रम के आयोजक नोडल अधिकारी डॉ.राजकुमार सिंह तथा भूगोल की सहायक प्राध्यापक मनस्वी शुक्ला रहीं। कार्यक्रम का मार्गदर्शन वरिष्ठ शिक्षिका प्रो. मीना कुमारी तथा डॉ. अल्का द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चौक क्षेत्र के पार्षद मनीष रस्तोगी रहे। प्राचार्य प्रो. चन्द्रमोहन उपाध्याय ने उनका स्वागत किया। मुख्य प्रॉक्टर प्रो. दिनेश चन्द्र पाण्डेय ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया–

25 सितम्बर कालीचरण पी.जी. कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर स्वयंसेवकों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना गीत की प्रस्तुति से हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ व्यक्तित्व विकास पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी ऊर्जा एवं प्रतिभा का उपयोग समाज और राष्ट्र के रचनात्मक एवं संरचनात्मक विकास के लिए करने तथा विनाशकारी गतिविधियों से दूर रहने की प्रेरणा दी। महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर डॉ. डी.सी.डी.आर. पांडेय ने राष्ट्रीय सेवा योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों को नियमित रूप से सेवा गतिविधियों में सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अल्का द्विवेदी ने वर्षभर आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के ऐतिहासिक विकास एवं वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा भावना, सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। डॉ. राजकुमार सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों एवं व्यक्तित्व विकास में इसकी भूमिका पर विचार व्यक्त किए, जबकि डॉ. शिव कुमार ने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए स्वयंसेवकों को जन–जागरूकता एवं सामाजिक सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सेवा, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ हुआ।

<u>कालीचरण महाविद्यालय में करियर एडवांसमेंट कैप्सूल कार्यक्रम का हुआ समापन।</u>

कालीचरण पी.जी. कॉलेज में विद्यार्थियों की रोजगारपरक क्षमता एवं व्यावसायिक कौशल के विकास के उद्देश्य से मेध लर्निंग फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित 17 दिवसीय करियर एडवांसमेंट कैप्सूल कार्यक्रम का समापन हुआ। महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में बी.एससी., बी.कॉम. एवं बी.बी.ए. के विद्यार्थियों के लिए दो वैच संचालित किए गए। कार्यक्रम में कुल 70 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से लगभग 50 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण कर प्रमाण–पत्र प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को रोजगार एवं करियर निर्माण से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक एवं उद्योगोन्मुखी विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसमें विशेष रूप से व्यावसायिक संचार, बायोडाटा लेखन, साक्षात्कार की तैयारी, सही नौकरी खोजने की प्रक्रिया, उद्योग जगत से संवाद तथा औद्योगिक भ्रमण शामिल रहे। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार बाजार की आवश्यकताओं, कार्यस्थल पर प्रभावी संचार, आकर्षक एवं प्रभावी बायोडाटा तैयार करने तथा साक्षात्कार में सफलतापूर्वक प्रस्तुत होने के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित उद्योग जगत से संवाद में विद्यार्थियों को उद्योग जगत की अपेक्षाओं, विभिन्न करियर विकल्पों तथा रोजगार के बदलते अवसरों की जानकारी दी गई। वहीं औद्योगिक भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यस्थल के वातावरण एवं औद्योगिक कार्यप्रणाली को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। समापन अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. चंद्रमोहन उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी रोजगार बाजार में केवल शैक्षणिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में संचार कौशल, रोजगारपरक कौशल, साक्षात्कार कौशल एवं व्यावसायिक व्यवहार का विकास भी आवश्यक है। इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को शिक्षा से रोजगार की और सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के संयोजक डॉ. राजकुमार सिंह ने मेधा लर्निंग फाउंडेशन के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी विद्यार्थियों को उद्योग जगत से जोड़ने, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए इस प्रकार की गतिविधियों को निरंतर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य को कामना की गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, प्लेसमेंट सेल के सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में हुआ कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

30 सितम्बर को अंतर संकाय कबड्डी प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय वर्ष ने खिताब जीता महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय अंतर संकाय कबड्डी प्रतियोगिता का आज फाइनल मुकाबलों के साथ समापन हुआ। पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले में बी.ए. तृतीय वर्ष की टीम ने वाणिज्य संकाय की टीम को 43–10 के अंतर से पराजित कर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। पुरुष वर्ग में विभिन्न संकायों की कुल पाँच टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का आयोजन नॉकआउट आधार पर किया गया, जिसमें प्रथम चरण एवं सेमीफाइनल मुकाबले पूर्व दिवस खेले गए थे।

महिला वर्ग में दो टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें टीम ब्लू ने टीम येलो को 52–39 से पराजित किया। दोनों वर्गों के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने उत्साह, अनुशासन और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर डॉ. डी. सी. डी. आर. पाण्डेय, प्रो. अर्चना मिश्रा, प्रो. मनोज पाण्डेय, प्रो. कल्याणी द्विवेदी, डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा, डॉ. अरुण कुमार यादव एवं डॉ. राजकुमार सिंह सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का सक्रिय सहयोग रहा।

30 सितम्बर को कालीचरण महाविद्याय में विश्व हृदय दिवस के अवसर पर Help U Educational and Charitable Trust द्वारा निशुल्क होम्योपैथिक परामर्श, प्राथमिक स्वास्थ्य जांच एवं दवा वितण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बढ़–चढ़कर विद्यार्थियों ने भाग लिया।

29 सितम्बर को कॉलेज में मंगलवार को वाणिज्य संकाय और द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टड एकाउंटेंट ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) एवं करियर अवसरों विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर चंद्र मोहन उपाध्याय के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सीए देवेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सीए पाठ्यक्रम, इसकी परीक्षा प्रक्रिया तथा सीए बनने के बाद उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीए के लिए ऑडिट, टैक्सेशन, फाइनेंस, कॉरपोरेट सेक्टर, बैंकिंग, वित्तीय परामर्श एवं स्वतंत्र प्रैक्टिस जैसे अनेक क्षेत्रों में कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

कालीचरण पी0 जी0 कॉलेज द्वारा गुरुदेव खेड़ा, काकोरी में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

गुरुदेव खेड़ा, काकोरी में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज गुरुदेव खेड़ा गाँव, काकोरी में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों एवं ग्रामीण समुदाय को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान की जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का आयोजन कर रही डॉ. अल्का द्विवेदी ने कहा कि नशा मुक्ति केवल व्यक्तिगत प्रयास नहीं, बल्कि सामुदायिक जिम्मेदारी है। युवाओं और बच्चों को नशे से बचाने के लिए परिवार, विद्यालय एवं समाज को मिलकर प्रयास करना आवश्यक है।

कार्यक्रम का समापन नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने की सामूहिक अपील के साथ हुआ।

कालीचरण पी0 जी0 कॉलेज में ग्रीन प्रमोशन कमेटी द्वारा एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनाँक 30.09.2026 को बाबू श्यामसुन्दर सभागार में ग्रीन प्रमोशन कमेटी द्वारा एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'प्रकृति के प्रति अंहिसाः गाँधी जी का दृष्टिकोण' था। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के सभी संकायों से विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया एवं अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्षन किया। प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका का निर्वाहन प्रो0 अर्चना मिश्रा जी (Dept of AIH) और डॉ0 अल्का मिश्रा (Dept of edu) जी ने किया। प्रतियोगिता का परिणाम निम्नवत् है– प्रथम स्थान –रमा देवी B.A.V sem– द्वितीय स्थान –आशू B.A.V sem तृतीय स्थान हर्ष तिवारी B.A.V sem सातवा -Iकाजल मिश्रा M.A.III sem सांतवा –II शिवालनी निषाद प्रतियोगिता को सुचारु रुप से सम्पन्न कराने में समिति के सभी सदस्यों ने अपना पूर्ण योगदान प्रदान किया।

B.Sc.Istsem

Internal test paper

2026-27

Q1 Define pauli exclusion principle?

Q2 What is an effective nuclear charge?

Q3What is valence bond theory?

Q4 What is VSEPR theory?

Q5 What interhalogen compounds?

B.Sc.IIIsem

Internal test paper

2026-27

Q1 What is ozone layer depletion?

Q2 Define the effect of global warming?

Q3What is green chemistry?

Q4 What are fuel cells

Q5 What is Corrosion?

B.Sc.Vsem.

Internal test paper

2026-27

Q1 What is the Carnot's cycle and its efficiency?

Q2Difference between DNA and RNA?

Q3 What are amino acids?

Q4 What is Kohlrausch's law and its application

Q5What is Oswald's dilution law and application?

नोट –इसका उत्तर अगले अंक में दिया जायेगा।

Kalicharan In News Paper

क्या AI युवा पीढ़ी की सोच पर प्रहार हैविषय पर हुआ वाद-विवाद प्रतियोगिता

पहल टुडे

लखनऊ। नेचुरल टच वेलफेयर सोसायटी एवं कालीचरण पी.जी. कॉलेज, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय क्या अकयुवा पीढ़ी की सोच पर प्रहार है रखा गया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में कॉलेज के प्रो. ऊउ.ऊफ पांडेय (चीफ प्रॉक्टर), डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा (असिस्टेंट प्रोफेसर) एवं डॉ. एस.पी. सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर) शामिल रहे। कालीचरण पी. जी. कॉलेज के प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय ने कहा कि आज के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) तेजी से हमारे जीवन का हिस्सा बन रहा है। शिक्षा, रोजगार, संचार और तकनीक के क्षेत्र में इसके व्यापक प्रभाव दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में यह विचार करना आवश्यक है कि अक युवाओं की रचनात्मकता और सोचने-समझने की क्षमता को बढ़ावा दे रहा है या उन्हें तकनीक पर अधिक निर्भर बना रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, अभिव्यक्ति और विषय की गहराई से समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने विषय के पक्ष और विपक्ष में अपने तर्कपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने अकके बढ़ते प्रभाव, शिक्षा एवं रोजगार में इसकी उपयोगिता, रचनात्मकता, मानवीय सोच तथा तकनीक पर बढ़ती निर्भरता जैसे विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे क

कार्यक्रम में नेचुरल टच वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष स्मृति उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन आयुषी ने किया, जबकि कॉलेज की ओर से समन्वय का कार्य मानस्वी शुक्ला ने किया। इस अवसर पर कालीचरण पी. जी. कॉलेज की कल्चरल हेड प्रो. अलका द्विवेदी भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में माही एवं नंदिनी ने वालेंटियर के रूप में सहयोग किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के प्रदर्शन के आधार पर आशु ने प्रथम, धानी नाग ने द्वितीय तथा रमा तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नेचुरल टच वेलफेयर सोसायटी का उद्देश्य महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में सामान्य ज्ञान, भाषा, तार्किक क्षमता एवं संस्कृति के प्रति रुचि को बढ़ावा देना है। इसी उद्देश्य की दिशा में सोसायटी द्वारा अंतर-महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन एक सतत प्रयास है।

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

❑ एनएसएस की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी और राष्ट्र निर्माण में योगदान का आह्वान

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। कालीचरण पी.जी. कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर स्वयंसेवकों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना गीत की प्रस्तुति से हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ व्यक्तित्व विकास पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी ऊर्जा एवं प्रतिभा का उपयोग समाज और राष्ट्र के रचनात्मक एवं संरचनात्मक विकास के लिए करने तथा विनाशकारी गतिविधियों से दूर रहने की प्रेरणा दी।

महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर डॉ. डी.सी.डी.आर. पांडेय ने राष्ट्रीय सेवा योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों को नियमित रूप से सेवा गतिविधियों में सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अल्का द्विवेदी ने वर्षभर आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के ऐतिहासिक विकास एवं वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा भावना, सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। डॉ. राजकुमार सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों एवं व्यक्तित्व विकास में इसकी भूमिका पर विचार व्यक्त किए, जबकि डॉ. शिव कुमार ने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए स्वयंसेवकों को जन-जागरूकता एवं सामाजिक सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सेवा, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ हुआ।

कालीचरण महाविद्यालय में करियर एडवांसमेंट कैप्सूल कार्यक्रम का हुआ समापन

लखनऊ। लखनऊ। कालीचरण पी.जी. कॉलेज में विद्यार्थियों की रोजगारपरक क्षमता एवं व्यावसायिक कौशल के विकास के उद्देश्य से मेध लर्निंग फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित 17 दिवसीय करियर एडवांसमेंट कैप्सूल कार्यक्रम का समापन हुआ। महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में बी.एससी., बी.कॉम. एवं बी.बी.ए. के विद्यार्थियों के लिए दो बैच संचालित किए गए। कार्यक्रम में कुल 70 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जि... लगभग 50 विद्यार्थियों ... सफलतापूर्वक पूर्ण कर प्रमा... किया। कार्यक्रम के दौरान ... को रोजगार एवं करियर नि... संबंधित विभिन्न व्यावहारि... उद्योगोन्मुखी विषयों पर प्रशिक्षण किया गया। इसमें विशेष रू... व्यावसायिक संचार, बायोडाटा लेख... साक्षात्कार की तैयारी, सही नौक... खोजने की प्रक्रिया, उद्योग जगत से संवाद तथा औद्योगिक भ्रमण शामिल रहे। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार बाजार की आवश्यकताओं, कार्यस्थल पर प्रभावी संचार, आकर्षक एवं प्रभावी बायोडाटा तैयार करने तथा साक्षात्कार में सफलतापूर्वक प्रस्तुत होने के व्यावहारिक पहलुओं से परि... गया। कार्यक्रम के ... उद्योग ज... ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में संचार कौशल, रोजगारपरक कौशल, साक्षात्कार कौशल एवं व्यावसायिक व्यवहार ... विकास भी आवश्यक है। ... कार्यक्रम वि... रोजग...

काली चरण पीजी कॉलेज लखनऊ में अंतर संकाय कबड्डी प्रतियोगिता का समापन

बीए तृतीय वर्ष ने वाणिज्य संकाय को 43-10 से हराकर जीता खिताब

फर्स्ट एडिटर। लखनऊ। काली चरण पीजी कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय अंतर संकाय कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबलों के साथ समापन हुआ। पुरुष वर्ग के फाइनल में बीए तृतीय वर्ष की टीम ने वाणिज्य संकाय की टीम को 43-10 के अंतर से पराजित कर खिताब जीता। पुरुष वर्ग में विभिन्न संकायों की पांच टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता नॉकआउट आधार पर आयोजित की गई। प्रथम चरण और सेमीफाइनल मुकाबले पूर्व दिवस खेले गए थे। महिला वर्ग में दो टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें टीम ब्लू ने टीम येलो को 52-39 से पराजित किया। दोनों वर्गों के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने उत्साह, अनुशासन और खेल भावना का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. डी. सी. डी. आर. पाण्डेय, प्रो. अर्चना मिश्रा, प्रो. मनोज पाण्डेय, प्रो. कल्याणी द्विवेदी, डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा, डॉ. अरुण कुमार यादव और डॉ. राजकुमार सिंह सहित अन्य शिक्षक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में महाविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों का सक्रिय सहयोग रहा।

हिन्दी हो विश्व की नंबर एक भाषा : इं. वी. के. मिश्र

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कालीचरण पीजी कॉलेज में हिन्दी दिवस पर सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रबंधक ई. वी.के. मिश्र ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि हिन्दी विश्व की नंबर-एक भाषा बने। उन्होंने कहा कि आज विश्व में सर्वत्र हिन्दी भाषा की सामान्य बोल-चाल में उपस्थिति, ज्ञान-विज्ञान, व्यापार चिकित्सा व लोक-जीवन के परस्पर सम्वाद में हिन्दी का निरंतर प्रयुक्त होते जाना हिन्दी को विश्व की नंबर एक भाषा बनाने का प्रबलतम आधार है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. ...जुला उपाध्याय प्राचार्या, नवयुग ...या पीजी कॉलेज ने कहा कि हिन्दी ... सर्व-समाज ग्राह्यता वैश्विक ...र में हिन्दी का बढ़ता प्रभाव ... रूप से हिन्दी की वैश्विक ...ो सुदृढ़ बनाती है। ... वक्ता जिला सेवा योजन अधिकारी प्रज्ञा त्रिपाठी ने हिन्दी की लोकप्रियता को बढ़ाने में प्रेमचन्द द्वारा हिन्दी को सरल-सहज और सर्वग्राहयता प्रदान करने वाले प्रयासों की सराहना की और आज के दौर में इसे प्रांसगिक बताया। मंचस्थ अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्राचार्य प्रो. चन्द्रमोहन उपाध्याय ने संगोष्ठी के विषय 'हिन्दी के वर्तमान स्वरूप में प्रेमचन्द के स्त्री विमर्श' पर प्रकाश डालते हुए प्रेमचन्द के साहित्य में बेमेल विवाह, विधवा विवाह तथा लड़कियों के बेचने की कुप्रथा को रेखांकित किया। संगोष्ठी का मंच संचालन हिन्दी विभाग के प्रभारी प्रो. मनोज कुमार पाण्डेय ने किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कालीचरण पीजी... शिक्षक दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कालीचरण पीजी कॉलेज के श्याम सुंदर दास सभागार में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज के प्रबंधक इंजीनियर वी.के. मिश्र ने महाविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सम्मान समारोह के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया तथा सभी से डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

परिचर्चा की शुरुआत करते हुए डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों के समक्ष स्वयं को निरंतर अपडेट करने की बड़ी चुनौती है। इस अवसर पर कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर प्रो. डी.सी.डी.आर. पांडेय, प्रो. मीना कुमारी, प्रो. वी.एन. मिश्रा, प्रो. अर्चना मिश्रा एवं प्रो. मनोज पांडेय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अरुण कुमार यादव ने किया। परिचर्चा के दौरान सभी शिक्षकों ने ज्ञान और आधुनिक तकनीक के बीच बेहतर तालमेल बिठाने पर जोर दिया। इससे पूर्व इंटरमीडिएट कॉलेज में भी शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें दो सेवानिवृत्त शिक्षकों— श्री अवनीश कुमार पांडेय एवं श्री सोमू राम को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर उनके परिजन भी उपस्थित रहे। शिक्षक दिवस की एक मुख्य विशेषता यह रही कि इसमें प्रदेश स्तर पर विजयी रही हैंडबॉल प्रतियोगिता की टीम को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। प्रबंधक महोदय ने इंटरमीडिएट कॉलेज के समग्र विकास के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री अनिल कुमार मिश्रा के साथ सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे।

...लीचरण पीजी कॉलेज में अभिमुखीकरण व शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

29 विद्यार्थी प्रतिनिधियों को दिलाई गई शपथ

❑ नवप्रवेशित विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति, अनुशासन और महाविद्यालय के इतिहास से कराया परिचित

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। कालीचरण पीजी कॉलेज में अभिमुखीकरण एवं शपथ ग्रहण समारोह प्रबोधन-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्रबंधक ई वीके मिश्र की उपस्थिति रही। नव प्रवेशित विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए आपने कहा कि यह एक नयी शुरुआत है, जिसमे विद्यार्थी भरपूर ऊर्जा से भरे हुए वर्ष 2047, तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प से युक्त हैं। तत्पश्चात शारीरिक शिक्षा विभाग के असि. प्रो. डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने नयी शिक्षा नीति-2020, क्रेडिट सिस्टम से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं से सभी नवप्रवेशित विद्यार्थियों को परिचित कराया। महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर डॉ. डीसीडीआर पाण्डेय ने महाविद्यालय में अनुशासन तथा उससे आगे बढ़ने के सन्दर्भ में अमेरिका के प्रसिद्ध तैराक माइकल फ़ेल्प्स का उदाहरण देते हुए सतत परिश्रम करने की बात कही। समाजशास्त्र विभाग की प्रो. मीना कुमारी ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय के इतिहास को विस्तार से बताया।

कार्यक्रम का सफल संचालन भूगोल विभाग की प्राध्यापिका डॉ. मनस्वी शुक्ला ने किया। इस अवसर पर विभिन्न पदों पर चयनित किए गए विद्यार्थी प्रतिनिधियों को शपथ भी प्रबंधक द्वारा दिलाया गया। कुल 29 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया, जिसमें प्रतिनिधि के रूप में निम्न विद्यार्थी शामिल हैं। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. चन्द्रमोहन उपाध्याय ने विगत कुछ वर्षों में महाविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को बताते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा विद्यार्थियों से महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का लाभ लेने का आवाहन किया।